भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4312** जिसका उत्तर

गुरूवार, 19 **मार्च**, 2020/29 फाल्गुन, 1941 (शक) को दिया जाना है

पत्तन क्षमता का विस्तार

4312. प्रो. रीता बहुगुणा जोशीः

क्या **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निरंतर वृद्धिशील व्यापार आवश्यकताओं को यथेष्ठ रूप से पूरा करने के लिए पत्तन क्षमता के विस्तार के लिए रोड मैप तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा शुरू की जा रही प्रमुख अवसंरचना विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) एवं (ख): जी, हां। महापत्तनों का अवसंरचना विकास तथा क्षमता वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है। इसमें नई बर्थों और टर्मिनलों का निर्माण, मौजूदा बर्थों और टर्मिनलों का मशीनीकरण, बड़े जलयानों को आकर्षित करने के लिए डुबाव को गहरा करने हेतु कैपिटल ड्रेजिंग, सड़क एवं रेल संपर्कता का विकास आदि शामिल है। परिणामस्वरूप, महापत्तनों की कार्गो संभलाई क्षमता फरवरी, 2020 के अनुसार 1524.91 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुँच गई है। यह इक्जिम और तटीय कार्गो के वर्तमान स्तर के लिए तथा निकट भविष्य में बढ़ती हुई आवश्यकताओं को भी संभालने के लिए पर्याप्त है। वर्ष 2018-19 के दौरान महापत्तनों द्वारा संभाला गया यातायात 699.10 मिलियन टन (एमटी) था और चालू वर्ष के दौरान फरवरी, 2020 तक संभाला गया यातायात 642.96 एमटी रहा है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार 863.50 एमटीपीए की क्षमता वाले गैर-महापत्तनों (राज्य सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन) द्वारा दिनांक 31.03.2019 के अनुसार 582.59 एमटी यातायात की संभलाई की गई।

(ग) एवं (घ): पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न महापत्तनों द्वारा 13308.41 करोड़ रु. की कुल लागत से कई अवसंरचना विकास परियोजनायें सौंपी गई हैं। सौंपे जाने के बाद, इन परियोजनाओं को प्रासंगिक करार की समय-सीमा के अनुसार निष्पादित किया जाता है। इन परियोजनाओं का ब्योरा नीचे दिया गया है:

वित्त वर्ष	परियोजनाओं की संख्या	निवेश (करोड़ रु. में)	क्षमता (एमटीपीए में)
2016-17	54	8484.47	92.09
2017-18	25	2659.73	21.93
2018-19	25	2164.21	10.73
कुल	**104**	**13308.41**	**124.75**

इन परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पत्तनों के साथ ही, मंत्रालय में विभिन्न स्तरों पर इनकी नियमित निगरानी की जाती है। महापत्तन, सौंपी जाने वाली परियोजनाओं तथा पूरी की जाने वाली परियोजनाओं के संबंध में मासिक यथास्थिति रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत करते हैं, जिनकी नियमित समीक्षा की जाती है।

******